दिनांक 26 जून, 1987

सं० ओ० वि०/सोनी/50-87/25022. च्रिंकि हरियाणा के राज्य पाल की राये है कि मैं० एटलस साईकिल इण्डस्ट्रीज लि०, सोनीपत, के श्रमिक श्री सदरा, पुत्र श्री राम मेहर मार्फत भारतीय मजदूर संघ कार्यालय, सोनीपत, तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रोद्योगिक विवाद है;

भीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना बांछनीय समझते हैं।

इस लिए, ग्रन, ग्रीट योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की घारा 10, की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी श्रिधिसूचना सं० 9641-1-श्रम 78/32573, दिनांक 6 नवस्वर, 1970, के साथ गठित सरकारी श्रिधिनियम की घारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेंचु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित है:—

क्या श्री सदरा की मेवा सनान्त की गई है या उसने स्वयं ही कार्य से गैर-हजिर रह कर नौकरी से अपना पूर्नग्रहणाधिकार (लियन) खोया है? इस विन्दु पर निर्णय के फलस्वका वह किस राहत का हक दार है।

सं० ग्री० वि०/सोनी/53-87/25029. चूं कि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै० एटलस साईकिल इण्डस्ट्रोज लि०, सोनीरत, के श्रीमक श्री विरेन्द्र कुमार शर्मा, पुत्र श्री शिव कमार शर्मा, मार्फत भारतीय मजदूर सघ कार्यालय, सोनीपत, तया उसके प्रबन्धकों के बीच इस में इस कें बाद लिखित मामलें में कोई ग्रोद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते है;

इस लिए, प्रव, धोद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रनान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारी श्रिधिनिस्चना सं० 9641-1-श्रम 78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970 के साथ पठित सरकारी श्रिधिनियम की धारा 7 के प्रधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या, उससे संबन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हें सु, निद्धिट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या सो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत प्रथवा सम्बन्धित है:—

क्या श्री विरेन्द्र कुमार शर्मा, की सेवा समाप्त की गई है या उसने स्वयं ही कार्य से गैर-हाजिर रह कर नौकरी से श्रपना पूर्वप्रहणाधिकार (लियन) खोया है ? इस विन्दु पर निर्णय के फलस्वखप वह किस राहत का हकदार है।

> श्रारः एसः श्रग्नवाल, ज्य-सन्चिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग ।